मॉन्ट्रियल आह्वान

जैव विविधता में गिरावट के मुख्य कारणों के समाधान पर बातचीत
जारी रखने का आह्वान

1. हम, सरकार के मुखिया, मंत्री और प्रतिनिधि, मूल निवासियों के प्रतिनिधि, बहुपक्षीय संगठनों के मुखी, सिविल सोसाइटी के नेता और नौजवानों, शिक्षा संस्थानों, संस्थाओं और निजी क्षेत्रों के नुमाइंदे, मॉन्ट्रियल, क्यूबेक, में, जो जैव विविधता पर कन्वेंशन के सचिवालय की मेज़बानी कर रहा है, सीओपी15 के लिए एकत्र हुए अभिनेताओं के समूह द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं का स्वागत करते हैं।

2. हम फिर कहते हैं कि पिछले कुछ दशकों में प्रकृति की हानि इतनी तेज़ी से हुई है जितनी कि पूरे मानव इतिहास में नहीं हुई। आईपीबीईएस के मुताबिक, इन तबदीलियों के सीधे कारक - जिनका वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक प्रभाव है - वे हैं: ज़मीन और समंदर के उपयोग में तबदीली, जीवों का प्रत्यक्ष शोषण, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और आक्रामक अपर-देशीय प्रजातियां। ये पांच प्रमुख चालक अंतर्निहित कारणों के समूह से उत्पन्न होते हैं, जो कि आर्थिक प्रणाली और मूल्यों में इस प्रकार निहित हैं कि वे प्रकृति के लिए हानिकारक हैं।

3. हम समझते हैं कि प्रकृति मानवता की प्राणाधार है और इसकी हानि से मानव कल्याण को ख़तरा है, जिस में खाद्य सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता के अमूर्त पहलू, जैसे सांस्कृतिक अखंडता शामिल हैं। प्रकृति की हानि के मामले में, तकनीक की सीमा है, और प्रकृति के कई प्राणाधार तत्व बेबदल हैं। साथ में मूल निवासियों और गरीब स्थानक भाईचारों पर प्रकृति की हानि का प्रभाव सबसे अधिक पड़ रहा है, हालांकि ज़मीन जिसका वे प्रबंधन एवं उपयोग करते हैं, और जिसके वे मालिक हैं, उसकी हानि की दर बाकी स्थानों की ज़मीन से कम है।

4. आईपीबीईएस और आईपीसीसी बार-बार उन अंतर्निहित मसलों को तुरंत हल करने का आह्वान करते हैं जो दो मुख्य परस्पर-संबंधित पर्यावरणीय संकटों, जैवविविधता की हानि और जलवायु परिवर्तन में समान हैं और जिन से प्रणालीगत तबदीली लाई जा सकती है। हम मानते हैं कि केवल प्रकृति की सीधे तौर पर हानि करने वाले कारकों पर ही काम करना प्रकृति की हानि की चाल को उल्टा करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। पोस्ट-2020 ग्लोबल बायोडाइवर्सिटी फ्रेमवर्क व्यापारिक संगठनों को आह्वान करता है कि वे निष्कर्षण और उत्पादन, आपूर्ति और वितरण, और उपयोग और निपटान के वहनीय तरीके अपना कर जैव विविधता के लिए पैदा हो रहे ख़तरों को कम करें। यह ग्लोबल फ्रेमवर्क सरकारों से जैव विविधता को नुकसान पहुंचाने वाले आर्थिक प्रोत्साहनों को पुनर्निर्देशित करने, पुन: आवंटित करने, उन में सुधार करने या उन्हें समाप्त करने का आह्वान करता है। यह फ्रेमवर्क हम सब से आह्वान करता है कि जो कूड़ा हम पैदा करते हैं, उसे हम कम से कम आधा करें, और जहां उचित हो, भोजन और अन्य सामग्रियों का अत्यधिक उपभोग ना करें।

5. हम ने ध्यान दिया कि दिसंबर 2022 में मॉन्ट्रियल में हुए सीओपी15 में, सिविल सोसाइटी के हितधारक प्रकृति के पतन के अंतर्निहित कारणों पर चर्चा शुरू करने के लिए एकत्रित हुए, ताकि प्रणालीगत परिवर्तन को लागू करने में शामिल मुद्दों पर विचार किया जा सके और संभावित समाधानों की रूपरेखा तैयार की जा सके।

6. इसके अलावा, हम एक मंच प्रदान करना चाहते हैं, जिस से एक अच्छे जीवन की कल्पना की जाए, जो सामग्री के अरक्षणीय निष्कर्षण और खपत, और साथ ही दूसरों और प्रकृति पर उनके नकारात्मक परिणामों के बाहरीकरण पर आधारित ना हो; जहां ऐसे आर्थिक संस्थान और मूल्य विकसित हों जो ग्रह सीमाओं के अनुकूल हों; वे असमानताएं दूर हों जो वहनीयता की क्षमता को कमज़ोर करती हैं; जो ऐसे समावेशी निर्णय लेना सुनिश्चित करे जिन में प्रकृति के मूल्यवान होने के विभिन्न तरीके शामिल हों; संसाधनों के उपयोग से होने वाले लाभों का उचित और न्यायसंगत बंटवारा सुनिश्चित करे; और जो संरक्षण निर्णयों में मानवाधिकारों का सम्मान करे -- ये सभी अवधारणाएँ चर्चा की पृष्ठभूमि बनाती हैं।

7. हम अंतर्निहित कारणों के समाधान पर बात-चीत की शुरुआत का स्वागत करते हैं और आवश्यक प्रणालीगत परिवर्तनों को लागू करने के लिए, आने वाले जलवायु और जैव विविधता सीओपी सत्रों में इस प्रतिबिंब पर त्वरित अनुवर्ती कार्रवाई का आह्वान करते हैं।

8. दुनिया के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए, हम सभी सरकारों और सहयोगियों के नेताओं से मॉन्ट्रियल के इस आह्वान को अपना समर्थन देने का आह्वान करते हैं।